छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी०ए० - हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम

उद्देश्य–

- छात्रो मे भाषा को समझने तथा मूल्याकन करने की दृष्टि विकसित करना।
- संविधान में उल्लिखित भाषाओं का परिचय कराना।
- शब्द–सरचना प्रक्रिया से छात्रों को सुपरिचित कराना।
- साहित्यिक कृतियों का विविध दृष्टियों से भाषिक विवेचन–विश्लेषण आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।
- छात्रों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयामो से अवगत कराना।
- हिन्दी भाषी क्षेत्रों एव उपभाषाओ तथा बोलियों से परिचित कराना।
- वैश्विक और तकनीकी सन्दर्भ में हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि की सुविधा, सीमा एवं संभावना से परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति

- व्याख्यान तथा विश्लेषण।
- संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
- दृश्य–श्रव्य माध्यमों/साधनो का प्रयोग।
- हिन्दी राजभाषा की सम्यक् समझ के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन–यात्रा
- विभिन्न क्षेत्रों मे कार्यरत हिन्दी अधिकारी तथा भाषा ज्ञान के अधिकारी विद्वानों के व्याख्यान।

बी०ए० हिन्दी भाषा : पाठ्यक्रम

बी०ए० प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी का व्याकरण	पूर्णांक : 50

बी०ए० द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएँ	पूर्णांक : 50

बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	अनुवाद–सैद्धान्तिक और व्यावहारिक परिचय	पूर्णांक : 50
तृतीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग परिचय	पूर्णांक : 50

बी0ए0 (प्रथम वर्ष)
हिन्दी भाषा
प्रथम प्रश्न–पत्र
हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय

पूर्णांक–50

पाठ्य विषय–

01. अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध
02. हिन्दी की उपभाषाओं का सामान्य परिचय
03. काव्य भाषा के रूप मे हिन्दी का विकास
    - (अ) अवधी का विकास
    - (ब) ब्रज का विकास
    - (स) खड़ी बोली का विकास
04. राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास
    - (अ) खड़ी बोली का सम्पर्क भाषा के रूप में विकास
    - (ब) राजभाषा : तात्पर्य एवं महत्त्व
    - (स) राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्याएँ
05. देवनागरी लिपि–
    - (अ) संक्षिप्त इतिहास
    - (ब) वैज्ञानिकता
    - (स) सीमायें और संभावनाये
    - (द) वर्तमान सन्दर्भ में सार्थकता।

अंक विभाजन–

10 वस्तुनिष्ठ अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	:	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	.	02×09 = 18
		योग = 50

संकेत–

- प्रश्नपत्र का नियोजन उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर की प्रकृति एवं शब्द–सीमा के अनुसार किया जाये जो सामान्यतया तीन घण्टे में किया जा सके।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न के द्वारा छात्र के सूचनात्मक ज्ञान, विश्लेषणात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की विषयगत जानकारी के साथ आत्मगत अभिव्यक्ति की क्षमता का आकलन एव आलोचनात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की मूल्यांकन दृष्टि तथा आलोचनात्मक समझ को परखंने का प्रयास होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें–

01. हिन्दी भाषा, डॉ0 हरदेव बाहरी
02 हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, डॉ0 उदय नारायण तिवारी
03. नागरी लिपि और उसकी समस्यायें, डॉ0 नरेश मिश्र
04. राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता, दिनकर, उदयांचल, पटना
05 नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
06. राष्ट्रभाषा और हिन्दी, राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
07. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, डॉ0 रामदरस राय
08. हिन्दी शब्दानुशासन– आ0 किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

बी0ए0 (प्रथम वर्ष)
हिन्दी भाषा
द्वितीय प्रश्न–पत्र
हिन्दी का व्याकरण

पूर्णांक–50

पाठ्य विषय,

01. हिन्दी ध्वनियों का परिचय–
    - क. स्वर और व्यंजन
    - ख. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
    - ग. वाक्य,संरचना
02. हिन्दी शब्द समूह
03. हिन्दी शब्द सरचना– पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द, समूहार्थक शब्दों के प्रयोग, निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थभेद, समानार्थक शब्दों के भेद।
04. लिंग विधान और कारक प्रयोग–
    - क. वर्त्तनी
    - ख. विरामादि चिह्नों के प्रयोग
    - ग. मुहावरे और लोकोक्तियों तथा उनके रचनात्मक प्रयोग
05. उपसर्ग और प्रत्यय

अंक विभाजन,

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	:	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

संकेत–

- प्रश्नपत्र का नियोजन उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर की प्रकृति एवं शब्द–सीमा के अनुसार किया जाये, जो सामान्यतया तीन घण्टे में किया जा सके।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न के द्वारा छात्र के सूचनात्मक ज्ञान, विश्लेषणात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की विषयगत जानकारी के साथ आत्मगत अभिव्यक्ति की क्षमता का आकलन एवं आलोचनात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की मूल्यांकन दृष्टि तथा आलोचनात्मक समझ को परखने का प्रयास होगा।

सन्दभ–

01. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, साहित्यगार प्रकाशन, जयपुर
02. हिन्दी व्याकरण, किशोरीदास वाजपेई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
03. हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
04. हिन्दी की वर्त्तनी तथा शब्द विश्लेषण, आचार्य किशोरीदास वाजपेई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
05. विराम चिह्न, महेन्द्र राजा जैन, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली।
06. हिन्दी शब्द मीमासा, आ0 किशोरी दास वाजपेयी, मैत्रेय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

बी0ए0 (द्वितीय वर्ष)
प्रथम प्रश्न,पत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

पूर्णांक–50

01. प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास
02. टिप्पणी, आलेखन
03. हिन्दी पत्राचार–
    - क. कार्यालयी पत्राचार
    - ख. वाणिज्यिक पत्राचार
04. पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार
05. संक्षेपण एवं पल्लवन

अंक विभाजन,

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	:	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

संकेत,

- प्रश्नपत्र का नियोजन उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर की प्रकृति एवं शब्द–सीमा के अनुसार किया जाये, जो सामान्यतया तीन घण्टे में किया जा सके।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न के द्वारा छात्र के सूचनात्मक ज्ञान, विश्लेषणात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की विषयगत जानकारी के साथ आत्मगत अभिव्यक्ति की क्षमता का आकलन एवं आलोचनात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की मूल्यांकन दृष्टि तथा आलोचनात्मक समझ को परखने का प्रयास होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें,

01. प्रयोजनमूलक हिन्दी, राम प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

02. प्रयोजनमूलक हिन्दी, संरचना एव अनुप्रयोग, रामप्रकाश, डॉ0 दिनेश गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

03. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

04. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी,, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

05. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी, राम प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

06. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ0 अजय प्रकाश, रमेश वर्मा, योगेन्द्र प्रताप सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर।

07 प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

08. प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

बी0ए0 (द्वितीय वर्ष)
द्वितीय प्रश्न,पत्र
हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएँ

पूर्णांक–50

पाठ्य विषय–

गद्य विविधा संकलन में निम्नलिखित विधाएँ समायोजित हैं। वह यथावत चलेंगी।

01. कहानी– प्रेमचन्द– बडे भाई साहब
02. रेखाचित्र–महादेवी वर्मा– गिल्लू
03. संस्मरण– काशीनाथ सिंह– घर का जोगी जोगड़ा
04. रिपोर्ताज– फणीश्वरनाथ रेणु– ऋण जल, धन जल
05. यात्रा वृत्तांत– अज्ञेय– 'अरे यायावर रहेगा याद' का एक अंश
06. डायरी– रघुवीर सहाय– दिल्ली मेरा परदेश
07. व्यग्य– हरिशकर परसाई– स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन

अंक विभाजन,

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	.	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

संकेत,

- प्रश्नपत्र का नियोजन उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर की प्रकृति एवं शब्द–सीमा के अनुसार किया जाये, जो सामान्यतया तीन घण्टे मे किया जा सके।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न के द्वारा छात्र के सूचनात्मक ज्ञान, विश्लेषणात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की विषयगत जानकारी के साथ आत्मगत अभिव्यक्ति की क्षमता का आकलन एवं आलोचनात्मक प्रश्न के द्वारा छात्र की मूल्यांकन दृष्टि तथा आलोचनात्मक समझ को परखने का प्रयास होगा।

सन्दर्भ पुस्तकें,

01. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

02. हिन्दी साहित्य की कथेतर गद्य, सर्जना, सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन, दिल्ली।

03. साहित्य विधाओं की प्रकृति; सं0 देवीशंकर अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

04. हिन्दी का आत्मकथा साहित्य, डॉ0 विश्वबंधु

05. कुछ व्यंग्य की कुछ व्यंग्यकारों की, हरीश नवल, हिन्दी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार, बिजनौर, उ0प्र0।

06. हिन्दी कहानी : देवीशंकर अवस्थी

07. आत्मकथा और उपन्यास, ज्ञानेन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

08. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

बी0ए0 (तृतीय वर्ष)
हिन्दी भाषा – प्रथम प्रश्न–पत्र
संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग

पूर्णांक–50

पाठ्य विषय–

01. **जनसंचार माध्यमों में हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप–**

बोधगम्यता एवं सम्प्रेषण की समस्या, मानकीकरण, आधुनिकीकरण और शैलीकरण की समस्या।

02. **समाचार पत्रों की हिन्दी–**

समाचार पत्रों की भाषा संरचना, साहित्यिक पत्रकारिता, हिन्दी भाषा के निर्माण में पत्र–पत्रिकाओं की भूमिका, पत्र–पत्रिकाओ मे गैर भाषिक तत्त्वो का हस्तक्षेप

03. **दृश्य–श्रव्य माध्यमों की हिन्दी–**

दृश्य,श्रव्य माध्यमों में लेखन का महत्त्व, दृश्य–श्रव्य माध्यम में भाषा के आनुषंगिक बिन्दु, पटकथा लेखन, दृश्य–श्रव्य माध्यम में संवाद लेखन।

04. **विज्ञापनों की हिन्दी–**

विज्ञापन की भाषा संरचना, मित कथन, प्रभाव एवं संदेश–निर्माण की क्षमता।

विज्ञापन बाजार और हिन्दी।

05. **श्रव्य माध्यम की हिन्दी–**

हिन्दी–निर्माण में आकाशवाणी की भूमिका, श्रव्य माध्यम की विधाओं का परिचय (समाचार वाचन, उद्घोषणा, वार्त्ता, रेडियो, रूपक आदि विधाओं का परिचय)

06. **जनसंचार के अद्यतन माध्यम–**

सामूहिक संचार के नवाचार (फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, ट्विटर, ब्लॉग तथा एस एम एस आदि)

अन्तरताना (इण्टरनेट) एवं संगणक पर हिन्दी।

अद्यतन माध्यमों पर ई–लेखन, हिन्दी की संभावना और देवनागरी लिपि की सुविधाएँ।

अंक विभाजन,

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	:	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

सन्दर्भ पुस्तकें,

01. संपादन के सिद्धान्त, रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
02. हिन्दी भाषा संरचना और प्रयोग, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
03 समाचार,पत्र मुद्रण एवं साजसज्जा, श्याम सुन्दर शर्मा, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
04. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
05. समाचार संपादन एवं पृष्ठ सज्जा, रमेश कुमार जैन, यूनिवर्सल बुक कम्पनी
06. भूमण्डलीकरण और मीडिया, प्रो0 कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
07. इलेक्ट्रानिक मीडिया, पी0के0 आर्य, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
08. मीडिया विमर्श, रामशरण जोशी, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
09. संस्कृति, जन संचार और बाजार, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मीडिया हूँ मैं, जय प्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर।
11 मीडिया और साहित्य, योगेन्द्र प्रताप सिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
12 हिन्दी ब्लॉगिंग (अभिव्यक्ति की नई क्रान्ति), स0 अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात, हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर (उ0प्र0)

बी0ए0 (तृतीय वर्ष)
हिन्दी भाषा–द्वितीय प्रश्न–पत्र
अनुवाद– सैद्धान्तिक और व्यावहारिक परिचय

पूर्णांक–50

पाठ्य विषय–

01. अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र

अनुवाद का व्यापक सन्दर्भ, अन्तरभाषिक अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक सन्दर्भ।

02. अनुवाद प्रक्रिया

अनुवाद प्रक्रिया के तीन पहलू, विश्लेषण, अन्तरण और पुनर्गठन।

अनुवाद की तीन भूमिकायें, पाठन भूमिका और अर्थग्रहण की प्रक्रिया।

द्विभाषिक की भूमिका और अर्थान्तरण की प्रक्रिया। रचयिता की भूमिका और अर्थ सम्प्रेषण।

03. अनुवाद के प्रकार

पाठानुवाद, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पद्यानुवाद एवं गद्यानुवाद।

04. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्यायें, कार्यालयी साहित्य के अनुवाद की समस्यायें।

05. व्यावहारिक पक्ष

हिन्दी से अंग्रेजी एव अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के सरल अंश।

अंक विभाजन

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	.	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

सन्दर्भ पुस्तकें,

01. कार्यालयी अनुवाद की समस्यायें, भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, दिल्ली।

02. अनुवाद कला,विश्वनाथ अय्यर,प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

03. अनुवाद सिद्धान्त और समस्याये, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

04. अनुवाद कला : कुछ विचार, आनन्द प्रकाश खिमाणी, एस0 चांद एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।

05. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद, आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, नई दिल्ली।

06. अनुवाद प्रक्रिया, रीनारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, नई दिल्ली।

07. अनुवाद विज्ञान, डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।

08. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग,कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

09. अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार, जयती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

बी0ए0 (तृतीय वर्ष)
हिन्दी भाषा–तृतीय प्रश्न–पत्र
हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय

पूर्णांक,50

पाठ्य विषय

1. हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास
2. हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की परिस्थितियॉ और प्रवृत्तियॉ, प्रतिनिधि रचनाकार ओर उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ।
3. आधुनिककाल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नई कविता की प्रवृत्तियॉ और प्रमुख कवि, गद्य की प्रमुख विधाएँ, कहानी, निबन्ध, उपन्यास, नाटक का उद्‌भव और विकास।
4. काव्यांग परिचय : काव्य स्वरूप, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।
    1. रस– रस तथा उसके अवयवों का सामान्य परिचय।
    2. छन्द– दोहा, चौपाई, सोरठा कवित्त, सवैया, बरवै, रोला।
    3. अलकार– यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, असंगति, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नति, व्यतिरेक, प्रतीप।
    4. गुण–दोष
    5. बिम्ब एवं प्रतीक

अंक विभाजन,

10 वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न	:	10×01 = 10
05 लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	05×02 = 10
03 लघु उत्तरीय निबंधात्मक प्रश्न	:	03×04 = 12
02 आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	02×09 = 18
		योग = 50

सन्दर्भ पुस्तकें,

01. रस, छन्द, अलंकार, विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

02 आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

03. हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका, सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी साहित्य सस्थान, लखनऊ।

04. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (द्वितीय महायुद्धोत्तर), लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

05. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

06 काव्य के तत्त्व, देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

07. साहित्य और संस्कृति, मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

08. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

09. हिन्दी साहित्य के विविध वाद, डॉ0 प्रेमनारायण शुक्ल

10 हिन्दी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

11. काव्य कौमुदी, डॉ0 बालकृष्ण गुप्त, साहित्य निकेतन, कानपुर।

12. अलंकार, रस, छन्द परिचय, भारतभूषण त्यागी, लायल बुक डिपो, ग्वालियर।

13. काव्य लोक, गोपीनाथ शर्मा, किताब महल, इलाहाबाद।

14. काव्य के रूप, गुलाब राय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।

नोट,

पाठ्यक्रम में समावेश किए गए रचनाकारों को प्रस्तावित कविताओ/काव्यांशों के पाठ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से स्वतंत्र संग्रह प्रकाशित करने का प्रस्ताव भी पाठ्यक्रम समिति की इस बैठक में किया गया।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी०ए० – हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

उद्देश्य–

- हिन्दी साहित्य की प्राचीन व आधुनिक गद्य, पद्य विधाओं का तात्त्विक परिचय कराना।
- साहित्यिक प्रवृत्तियों के सन्दर्भ में विभिन्न साहित्य विधाओं के विकासक्रम का परिचय देना।
- छात्रों में साहित्य को समझने, आस्वादन करने तथा मूल्यांकन करने की दृष्टि को विकसित करना।
- विशिष्ट साहित्यिक कृतियों को विविध दृष्टि से विवेचन,विश्लेषण, आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।
- छात्रों में सौन्दर्य बोध एवं संवेदना का विकास करना।
- साहित्यिक चेतना जगाने के माध्यम से जीवन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध दृष्टि जगाना।
- साहित्यकारों के व्यक्तित्त्व और कृतित्त्व का परिचय कराना और साहित्य के विकास में उनके प्रदेय का मूल्यांकन करने की प्रेरणा प्रदान करना।
- युगबोध व कलाबोध की दृष्टि का विकास व विस्तार करना।
- हिन्दी भाषा व हिन्दी साहित्य का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध की अनुभूति कराना।

अध्यापन पद्धति

- व्याख्यान तथा विश्लेषण।
- सगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
- दृश्य–श्रव्य माध्यम/साधनों का प्रयोग।
- परिचर्चा।
- अतिथि विद्वानो के व्याख्यान।
- साहित्यिक भ्रमण यात्राओं का आयोजन।

बी०ए० हिन्दी साहित्य : पाठ्यक्रम

बी०ए० प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी नाट्य साहित्य	पूर्णांक : 50

बी०ए० द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	आधुनिक हिन्दी काव्य	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी कथा साहित्य	पूर्णांक : 50

बी०ए० तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र	:	अद्यतन हिन्दी काव्य	पूर्णांक : 50
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ	पूर्णांक 50
तृतीय प्रश्न पत्र	:	हिन्दी की क्षेत्रीय भाषाएँ एव साहित्य (अवधी अथवा ब्रज)	पूर्णांक : 50

बी0ए0 प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक–50

निर्धारित कवि–

कबीर	–	कबीर ग्रन्थावली– 50 साखी, सं0 पारसनाथ तिवारी
जायसी	–	पद्मावत का मानसरोदक खण्ड– रामचन्द्र शुक्ल
सूरदास	–	सूरसागर– प्रारम्भिक 25 पद, सं0 धीरेन्द्र वर्मा
तुलसीदास	–	रामचरितमानस का अयोध्या काण्ड (केवल चित्रकूट प्रसंग)
बिहारी	–	बिहारी सतसई के प्रारम्भिक– 50 दोहे
घनानन्द	–	घनानन्द कवित्त– प्रारम्भिक 25 छंद
द्रुत पाठ	–	सरहपा, अब्दुर्रहमान, चन्दवरदाई, अमीर खुसरो।

अंक विभाजन–

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01 = 10
पॉच लघुउत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$02\times7^{1/2}$= 15
		योग = 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
02. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
03. कबीर एक अनुशीलन, डॉ0 राम कुमार वर्मा
04. कबीर की विचारधारा, डॉ0 त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
05. कबीर साहित्य की परख, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद

06. कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
07. कबीर, विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
08. सूर साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
09. सूरदास और उनका साहित्य, हरबंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
10. सूरदास और उनका काव्य, गोवर्द्धन लाल शुक्ल, ब्रज साहित्य मण्डल, मथुरा
11. सूर की काव्य साधना, गोविन्द राम शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. सूर सौरभ, मुंशी राम शर्मा 'सोम', ग्रन्थम, कानपुर।
13. महाकवि सूरदास, जय किशन प्रसाद खण्डेलवाल, रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
14. त्रिवेणी, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
15. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
16. तुलसीदास और उनका काव्य, रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल एण्ड सस, दिल्ली
17. तुलसी दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
18. तुलसी रसायन, भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद
19. तुलसी, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
20 जायसी का पद्मावत : काव्य तथा दर्शन, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
21. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन,जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
22 जायसी का काव्य, सरोजनी पाण्डेय, हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
23. बिहारी की वाग्विभूति, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
24. बिहारी और उनका साहित्य, हरबंशलाल शर्मा
25. कवित्रयी (बिहारी, देव, घनानन्द), गिरीश चन्द्र तिवारी, पुस्तक प्रचार, दिल्ली
26. बिहारी और घनानन्द, परमलाल गुप्त
27. बिहारी का काव्य, आनन्द मंगल
28. अमीर खुसरो, उत्तर प्रदेश हिन्दी सस्थान, लखनऊ
29. मुसलमान कवियों की हिन्दी साधना - डॉ० श्री० जी० मिश्र, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर।

बी0ए0 प्रथम वर्ष – हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी नाट्य साहित्य

पूर्णांक–50

निर्धारित पाठ्यक्रम–

(क) नाटक–

ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

आषाढ का एक दिन – मोहन राकेश

(ख) एकांकी सप्तक–

औरंगजेब की आखिरी रात	–	डॉ0 रामकुमार वर्मा
स्ट्राइक	–	भुवनेश्वर
भोर का तारा	–	जगदीश चन्द्र माथुर
मम्मी ठकुराइन	–	लक्ष्मी नारायण लाल
नये मेहमान	–	उदयशंकर भट्ट
सूखी डाली	–	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
सीमा रेखा	–	विष्णु प्रभाकर

द्रुत पाठ– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिकृष्ण प्रेमी, लक्ष्मीनारायण मिश्र, धर्मवीर भारती

अंक विभाजन–

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01 = 10
पॉच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$2\times7^{1/2}$= 15
		योग = 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. हिन्दी नाटक : इतिहास के सोपान, गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

02. हिन्दी नाटक : आजकल, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

03. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

04. हिन्दी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

05. आधुनिक हिन्दी नाट्यकारों के सिद्धान्त, निर्मला हेमन्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

06. प्रसाद के नाटक : सृजनात्मक धरातल और भाषिक चेतना, गोविन्द चाक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

07. नाटककार जगदीश चन्द्र माथुर, गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

08. हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, सिद्धनाथ कुमार

09. प्रतिनिधि नाटककार जयशकर प्रसाद,(सं0) सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन, भुवनेश्वर महतो अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।

11. हिन्दी नाटक : मिथक एवं यथार्थ, रमेश गौतम

12. एकांकी और एकांकीकार, रामचरण महेन्द्र

13. हिन्दी नाटक, दशरथ ओझा

14. ध्रुवस्वामिनी, वस्तु एव शिल्प,सुरेश नारायण

15. प्रसाद की नाट्यकला, सुजाता विष्ट

16. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मदन गोपाल, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली

17. भारतेन्दु साहित्य, डॉ0 रामचन्द्र मिश्र, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर

बी0ए0 द्वितीय वर्ष हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र
आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांक–50

निर्धारित कवि–

मैथिलीशरण गुप्त – 'साकेत' का अष्टम सर्ग

जयशंकर प्रसाद – 'कामायनी' का श्रद्धा सर्ग

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– 'सरोज स्मृति'

सुमित्रानंदन पंत – निर्धारित कविताएँ– नौका विहार, जगत के जीर्ण पत्र, बादल, मौन निमंत्रण, सोन जुही

महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुख की बदली, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, विरह का जलजात जीवन विरह का जलजात, कौन तुम मेरे ह्रदय में, तोड दो तुम यह क्षितिज।

रामधारी सिंह दिनकर– कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग

द्रुत पाठ– अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', श्रीधर पाठक, माखन लाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सुभद्रा कुमारी चौहान, सोहन लाल द्विवेदी।

अंक विभाजन–

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01 = 10
पॉच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$2\times7^{1/2}$ =15
		योग = 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. आधुनिक कवियों की काव्य साधना, राजेन्द्र सिंह गौड, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।

02. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
03. आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न, रमेश चन्द्र शर्मा, सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
04. छायावादी कवियों की गीत दृष्टि, डॉ0 उपेन्द्र, युगवाणी प्रकाशन, कानपुर।
05 प्रसाद का काव्य, प्रेम शंकर
06. प्रसाद की कला, गुलाब राय
07. प्रसाद, नन्द दुलारे बाजपेयी
08. पंत का काव्य, डॉ0 उपेन्द्र, हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
09. पंत जी का नूतन काव्य दर्शन, डॉ0 विश्वम्भर उपाध्याय
10. सुमित्रानन्दन पंत, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
11. सुमित्रानन्दन, शची रानी गुर्टू
12. छायावादी कविता की आलोचना : स्वरूप और मूल्यांकन,डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, आराधना ब्रदर्स, कानपुर।
13 पंत की काव्य साधना, रमेशचन्द्र शर्मा एवं क0ला0 अवस्थी साहित्य निकेतन, कानपुर।
14. युग कवि निराला, राममूर्ति शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर।
15 युग कवि निराला, रजनीकात लहरी, उन्नाव
16. निराला की काव्य साधना, वीणा शर्मा
17. निराला का काव्य, डॉ0 नगेन्द्र
18. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
19 छायावाद और महादेवी, नन्द कुमार राय
20. मैथिलीशरण गुप्त, युग और कविता, डॉ0 ललित शुक्ल, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
21 निराला का पुनर्मूल्यांकन, धनजय वर्मा
22. निराला के साहित्यिक संस्कार, शिव कुमार दीक्षित, साहित्य रत्नालय, कानपुर
23. निराला , इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

24. मैथिलीशरण गुप्त, आनन्द प्रकाश दीक्षित
25 महादेवी वर्मा · नया मूल्यांकन, गणपति चन्द्र गुप्त
26. आत्महन्ता की आस्था, दूधनाथ सिंह
27. महादेवी, दूधनाथ सिंह
28. महादेवी, इन्द्रनाथ मदान
29 महादेवी की काव्य चेतना, राजेन्द्र मिश्र
30. पंत · कवि और काव्य, शारदा लाल, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
31. महादेवी का काव्य सौन्दर्य, हुकुम चन्द्र राजपाल
32. कविता यात्रा, रत्नाकर से रघुवीर सहाय तक, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
33. निराला, राम विलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
34. युगचारण दिनकर, सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
35. सोहन लाल द्विवेदी का काव्य, डॉ0 रमण लाल गुप्त, चिन्ता प्रकाशन, पिलानी (राजस्थान)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष – हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न–पत्र
हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक–50

निर्धारित पाठ्यक्रम,

(क) **उपन्यास** – चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा
रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
अथवा
'बा', – गिरिराज किशोर

(ख) **कहानी** –

कफन	–	प्रेमचन्द
गुण्डा	–	प्रसाद
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी,
मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
राजा निरवंसिया	–	कमलेश्वर
पचीस चौका डेढ़ सौ	–	ओम प्रकाश वाल्मीकि

द्रुतपाठ – अमृतलाल नागर, वृन्दावनलाल वर्मा, इलाचंद्र जोशी, राजेन्द्र यादव, अमरकान्त, मैत्रेयी पुष्पा

अंक विभाजन,

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01	= 10
पाँच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	05×02	= 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05	= 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$02\times7^{1/2}$	= 15
		योग	= 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ, शशि भूषण सिंहल
02. हिन्दी उपन्यास पहचान एवं परख, इन्द्रनाथ मदान
03. आधुनिक हिन्दी उपन्यास, भीष्म साहनी

04. हिन्दी उपन्यास एवं यथार्थवाद, त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
05. उपन्यास के तत्त्व, श्री नारायण अग्निहोत्री, हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
06. उपन्यास और लोकजीवन, रेल्फ फॉक्स पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
07 उपन्यास : शिल्प और प्रवृत्तियॉ, डॉ0 सुरेश सिन्हा
08. हिन्दी उपन्यास, डॉ0 सुषमा धवन
09. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन
10. हिन्दी उपन्यासों मे चरित्र चित्रण का विकास, डॉ0 रणवीर राणा
11. कहानी कला : सिद्धान्त और विकास, डॉ0 सुरेश चन्द्र शुक्ल,हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली।
12 आज की हिन्दी कहानी, डॉ0 धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. कहानी का रचना विधान, डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
14. नयी कहानी : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य, डॉ0 रामकली सराफ विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी।
15. कुछ हिन्दी कहानियॉ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
17. आधुनिक हिन्दी कहानी , गंगा प्रसाद विमल, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. राग दरबारी : आलोचना की फाँस, डा0 रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. गिरिराज किशोन का उपन्यास साहित्य : एक अनुशीलन,डॉ0 सुरेश चांगदेव सालुके, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
20 गिरिराज किशोर के उपन्यासों मे सवेदना और शिल्प, डॉ0 सोमाभाई पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
21. राग दरबारी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, राधा दीक्षित, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद।

बी0ए0 तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र
अद्यतन हिन्दी काव्य

पूर्णांक–50

निर्धारित कवि,

1. **'अज्ञेय'**– नदी के द्वीप, मैने देखा एक बूंद, मैं वह धनु हूँ, सर्जना के क्षण, कलगी बाजरे की
2. **मुक्तिबोध**– ब्रह्मराक्षस, भूल गलती
3. **भवानी प्रसाद मिश्र**– गीत फरोश, फूल कमल के, नई इबारत, सन्नाटा, सतपुड़ा के जंगल
4. **नागार्जुन**– बादल को घिरते देखा है, कालीदास सच–सच बतलाना, बहुत दिनों के बाद, तुम जगी संसार जाए जाग, तब मैं तुम्हें भूल जाता हूँ
5. **त्रिलोचन**– फिर न हारा, जलरुद्ध दूब, ताप के ताये हुए दिन, सहस्र दल कमल, अन्तर (सॉनेट)

द्रुत पाठ, केदारनाथ अग्रवाल, शिवमगल सिह 'सुमन', हरिवंश राय बच्चन, गिरिजा कुमार माथुर, दुष्यन्त कुमार, केदारनाथ सिंह, धूमिल।

अंक विभाजन–

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)		10×01 = 10
पॉच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)		05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$02\times7^{1/2}$ = 15
		योग = 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. नयी कविता स्वरूप और समस्यायें, डॉ0 जगदीश गुप्त
02. नयी कविता के प्रतिमान, लक्ष्मीकान्त वर्मा
03. नई कविता, डॉ0 नामवर सिंह

04. नई कविता, आचार्य नन्द दुलारे बाजपेई
05. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर
06. नई कविता, गिरिजा कुमार माथुर
07. मुक्तिबोध की समीक्षाई, अशोक चक्रधर
08. नई कविता में उदात्त तत्व, डॉ0 राकेश शुक्ल, आशीष प्रकाशन, कानपुर
09. मुक्तिबोध की कार्य चेतना और मूल्य संकल्प, हुकुमचन्द
10 नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, डॉ0 संतोष कुमार तिवारी
11. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. समकालीन हिन्दी काव्य में सामाजिक जीवन, डॉ0 अलका शुक्ला, आशीष प्रकाशन, कानपुर
13. छायावादोत्तर हिन्दी कविता : मुख्य प्रवृत्तिया, त्रिलोचन पाण्डेय
14 अज्ञेय : विचार और कविता, राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
15 कविता यात्रा · रत्नाकर से रघुवीर सहाय, राम स्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. नई कविता और अस्तित्ववाद, डा0 राम विलास शर्मा
17. कविता के नये प्रतिमान , डॉ0 नामवर सिंह
18. नई कविता की कृतियॉ, डॉ0 जीवन प्रकाश जोशी
19. नई कविताएँ : एक साक्ष्य, डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
20. नई कविता (तीन खण्ड) स0 डॉ0 जगदीश गुप्त, डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, डॉ0 विजयदेव नारायण साही।
21 सुदामा पाण्डेय, धूमिल की कविता में यथार्थ बोध, डॉ0 चमनलाल गुप्ता, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
22. हिन्दी की अधुनातन कविता का अनुशीलन, डॉ0 प्रभात द्विवेदी, वन्दना प्रकाशन, कानपुर।
23 कविता से साक्षात्कार, मलयज
24. नई कविता : उद्‌भव और विकास, डॉ0 रामवचन राय, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

बी0ए0 तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक–50

निर्धारित पाठ्यक्रम–

(क) निबन्ध

1.	मेघदूत	–	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
2.	लज्जा और ग्लानि	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3.	कुटज	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.	छायावाद	–	नन्द दुलारे वाजपेई
5.	तुम चंदन हम पानी	–	विद्यानिवास मिश्र
6.	सौन्दर्य की उपयोगिता–		रामविलास शर्मा

(ख) गद्य विधायें

1	भक्तिन	–	महादेवी वर्मा
2.	मेरे पिता	–	जगदीश चन्द्र माथुर
3.	नैलंग श्रेणी की छाया में–		विष्णु प्रभाकर
4.	अपनी–अपनी हैसियत–		हरिशंकर परसाई

द्रुतपाठ– बालमुकुन्द गुप्त, विष्णुकान्त शास्त्री, श्रीकान्त वर्मा, अयोध्यानाथ शर्मा, मुशीराम शर्मा 'सोम'

अंक विभाजन,

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01 = 10
पॉच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$02\times7^{1/2}$ =15
		योग =50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी।

02. हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार, द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

03. हिन्दी निबन्धकार, नलिन जयनाथ

04. हिन्दी निबन्ध के आधार स्तंम्भ, डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

05. साहित्य में गद्य की नई विधाएँ, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

06. हिन्दी रेखाचित्र, डॉ0 हरवंश लाल वर्मा, हिन्दी समिति, उ0प्र0।

07. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबन्ध एवं निबंधकार, डा0 बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, नौबस्ता, कानपुर।

08. हिन्दी का हास्य–व्यंग्य विधा का स्वरूप और विकास, इन्द्रनाथ मदान।

बी0ए0 तृतीय वर्ष हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्न पत्र
हिन्दी की क्षेत्रीय भाषा और साहित्य

पूर्णांक–50

टिप्पणी– छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिक्षेत्र (कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, इटावा, औरैया तथा कन्नौज) में से अधिकांश जनपदो मे अवधी भाषा एवं आंशिक क्षेत्र में ब्रज भाषा में प्राचीन काल से अद्यतन साहित्य सृजन परम्परा विद्यमान है। इसके संरक्षण एवं संवर्द्धन की दृष्टि से विकल्प के रूप मे **अवधी** अथवा **ब्रज** भाषा के साहित्य के पाठ्यक्रम का चयन किया जा रहा है, जो निम्नवत् है,

आधुनिक अवधी भाषा का साहित्य

1. अवधी भाषा का परिचय एवं क्षेत्र
2. अवधी भाषा की भाषिक विशेषताएँ
3. अवधी साहित्य का उद्भव एवं विकास
4. आधुनिक अवधी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉ एव रचनाकार
5 प्रतिनिधि रचनाकार,
   - (क) द्वारिका प्रसाद मिश्र (कृष्णायन का गीता खण्ड प्रारम्भिक), बीस छंद
   - (ख) वंशीधर शुक्ल– (अवधी वंदना, किसान की दुनिया, चौमासा, राममडइया, तुम्हैं दुनिया कैसे मानी? (वंशीधर शुक्ल रचनावली,उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ) से
   - (ग) बलभद्र प्रसाद 'पढ़ीस'– (आवा बसन्त, छावा बसन्त, महतारी, पपीहा बोलि जा रे, मनई) पढीस ग्रन्थावली, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ) से
   - (घ) चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' अनंत, अभिनन्दन (भिनसार कृति से), मँहगाई कै परब (फुहार कृति से), लोहे का आदमी (गुलछर्रा कृति से)

अथवा

आधुनिक ब्रजभाषा का साहित्य

1. ब्रजभाषा साहित्य का विकास
2. ब्रजभाषा के रचनाकार तथा कृतियॉ
3. व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों हेतु निम्नांकित रचनाकारों और उनके काव्यांश।
4. **प्रतिनिधि रचनाकार,**

क, सत्यनारायण कविरत्न	– भ्रमरदूत के प्रारम्भिक 20 छन्द
ख, गया प्रसाद शुक्ल सनेही	– प्रेम पचीसी के प्रारम्भिक 20 छन्द
ग, जगन्नाथ दास रत्नाकर	– उद्धवशतक के प्रारम्भिक 20 छन्द
घ, डॉ0 जगदीश गुप्ता	– छन्दशती के प्रारम्भिक 20 छन्द

नोट, पाठ्यक्रम में संकलित।

अंक विभाजन,

अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	:	10×01 = 10
पॉच लघु उत्तरीय विश्लेषणात्मक प्रश्न (प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	.	05×02 = 10
तीन व्याख्याएँ	:	03×05 = 15
दो आलोचनात्मक विस्तृत उत्तरीय प्रश्न	:	$02\times7^{1/2} = 15$
		योग = 50

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें,

01. कृष्णायन : द्वारिका प्रसाद मिश्र
02 वंशीधर शुक्ल रचनावली, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
03 पढीस ग्रन्थावली, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
04 चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका' की कृतियॉ,(बौछार, भिनसार, नेताजी, फुहार, हरपति, परवार, गुलछर्रा, हास्य के छींटे)
05. अवधी कवि और उनका काव्य, श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप'
06. अवधी के प्रतिनिधि कवि, सं0 ओम प्रकाश त्रिवेदी

07. आधुनिक अवधी काव्य, सूर्य प्रसाद दीक्षित
08. अवधी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉ,श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप'
09. अवधी का मूल्याकन, डॉ0 बाबूराम सक्सेना, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
10. अवधी भाषा का साहित्य : सांस्कृतिक परिवेश,गुणमाला खिसेमरा, अमन प्रकाशन, कानपुर।
11. अवधी के जनपदीय कवि, मत्येन्द्र नाथ शुक्ल
12. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास, भाग,16, सं0 राहुल सांकृत्यायन
13. ब्रजलोक साहित्य का अध्ययन,डॉ0 सत्येन्द्र
14. आधुनिक ब्रजभाषा कवि और काव्य, डॉ0 माया प्रकाश पाण्डेय
15. ब्रजमाधुरी सार, वियोगी हरि
16. उद्धवशतक, डॉ0 शिवबालक शुक्ल
17. सूर पूर्व ब्रजभाषा और उसका साहित्य, डॉ0 शिवप्रसाद सिह
18. उद्धवशतक भाष्य, डॉ0 लक्ष्मीकान्त पाण्डेय/डॉ0 प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
19. आधुनिक ब्रजभाषा के प्रमुख कवि और उनका काव्य,ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर
20. ब्रज का सांस्कृतिक इतिहास, प्रभुदयाल मीतल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
21. आधुनिक ब्रजभाषा काव्य, जगदीश प्रसाद अवस्थी
22. लोक साहित्य, डॉ0 सुरेश चन्द्र त्यागी
23. ब्रजलोक साहित्य का अध्ययन, सत्येन्द्र गौरी शकर, साहित्य भण्डार, आगरा
24. ब्रजभाषा, धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
25. अवधी साहित्य का इतिहास, डॉ0 श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप', भारत बुक सेण्टर, लखनऊ।
26. अवधी काव्यधारा, डॉ0 श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप', सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
27. अवधी का प्रारम्भिक युग, अवधि के आदि कवि गुरु गोरखनाथ, डॉ0 श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप', सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
28 अवधी लोकगाथा, डॉ0 शकर लाल यादव, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ
29. अवधी का लोक साहित्य, सरोजनी रोहतगी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली।